>

Title: Regarding book containing derogatory remarks against Rani Laxmibai of Jhansi.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : सभापति महोदय, मैं आपके समक्ष एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय लाना चाहता हूं। स्वतंत्रता संग्राम की प्रथम लड़ाई लड़ने वाली महारानी लक्ष्मीबाई के नाम से सारा देश परिचित है। इन्होंने लड़ाई लड़ते-लड़ते अपने प्राणों को गंवाया था। हमारे यहां कहा जाता था--

"बुन्देलों हर बोलों के मुंह, हमने सुनी कहानी थी,

खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झांसी वाली रानी थी।"

उन्होंने अंग्रेजों से कभी समझौता नहीं किया और देश के प्रति जान देकर अपना नाम महान नारियों में लिखवाया। लेकिन ऐसी वीरांगना लक्ष्मीबाई के खिलाफ एक पुस्तक छापी गयी है।[MSOffice85] सभापति महोदय, वह रानी नामक पुस्तक है, जिसकी लेखिका जयश्री मिश्रा हैं, जो लंदन में रहती हैं। आज यह पुस्तक पूरे देश में बिक रही है, विशेषकर उत्तर प्रदेश में बिक रही थी। इसके विरोध में झांसी में महिला मोर्चा की प्रदेशीय उपाध्यक्ष डा0कंचन जायसवाल ने वहां धरना-प्रदर्शन किया और बहुत सी महिलाओं को साथ लेकर डीएम के यहां ज्ञापन दिया। मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है कि यह कैसी लेखिका हैं, जब चाहें जिसके बारे मे चाहें, जो चाहे लिख दें। मैं उस पुस्तक के कुछ अंश पढ़ना चाहता हूं। उन्होंने पेज संख्या 223 और 224 पर रानी लक्ष्मी बाई और अंग्रेज रॉबर्ट एलिस के बीच *... आपत्तिजनक वर्णन किया है। उन्होंने 225 और 226 पर रानी लक्ष्मी बाई और अंग्रेज रॉबर्ट एलिस के बीच बरुआ सागर में नित्य वार्तालाप का वर्णन किया है। पृष्ठ 250 पर रानी का रॉबर्ट एलेन के सामने * ... गंदा वर्णन किया है। यहां तक कि पेज 255 पर रानी लक्ष्मी बाई को बहुत आपत्तिजनक * ... शब्दों से संबोधित किया है।...(व्यवधान) यह बहुत महत्वपूर्ण मामला है। उत्तर प्रदेश में इस पुस्तक पर प्रतिबंध लग गया है। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि पुस्तक को पूरे देश में प्रतिबंधित किया जाए और उक्त लेखिका के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए ताकि भविष्य में किसी अन्य के बारे में ऐसी पुस्तक न छापें।

* Not recorded as ordered by the Chair.